

प्रेषक,

एल०एम०पन्त,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक, निबन्धन,
उत्तरांचल, देहरादून।

वित्त अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक: 23 फरवरी, 2005

विषय:- उप-निबन्धक कार्यालय, किच्छा के भवन के जीर्णोधार एवं कम्प्यूटरीकरण के लिये स्वीकृत आगणन के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय अपने पत्र संख्या-3552/म०नि०नि०/2004-2005, दिनांक 19-02-2005 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसमें उप-निबन्धक कार्यालय, किच्छा के भवन के जीर्णोधार एवं कम्प्यूटरीकरण हेतु प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का उल्लेख करते हुए द्वितीय किश्त के रूप में कुल अवशेष धनराशि रु० 9.54 लाख अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस संबंध में शासन के सन्दर्भगत पत्र दिनांक 26-03-2004 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उप-निबन्धक कार्यालय, किच्छा के भवन के जीर्णोधार एवं कम्प्यूटरीकरण हेतु कुल स्वीकृत आगणन रूपये 14.54 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त में अवमुक्त की गयी धनराशि रु० 5.00 लाख के उपरान्त अवशेष धनराशि रु० 9.54 लाख (कुल रूपये नौ लाख चौब्वन हजार मात्र) आपके निर्वतन पर अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3- शासन की इस स्वीकृति के क्रम में इसका व्यय-बहन चालू वित्तीय वर्ष 2004-2005 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के लेखाशीर्षक, 2030-स्टाम्प पंजीकरण, 03-पंजीकरण, 001-निदेशन एवं प्रशासन, 04-जिला व्यय, 24-वृहद निर्माण कार्य से किया जायेगा।

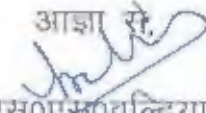
भवदीय,

(एल०एम०पन्त)
अपर सचिव।

संख्या-३८ (1) / XXVII(5) / स्टाम्प / 2005, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल एकक सचिवालय
परिसर, देहरादून।
- 3- सहायक महानिरीक्षक, निबन्धन, उधमसिंहनगर।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उधमसिंहनगर।
- 5- अपर परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम लि0हल्द्वानी।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से.

(एस0एस0वल्लिया)
अनु सचिव।